Lesson-11
AKBAR AND BIRBAL

Introduction:

This is the story of Akbar the great, and his courtier Birbal. Start the class by asking students a famous folk tale, and then come to the topic.

Objective:

Ask students to read the story loudly with proper voice modulation and pause.

Vocabulary with pronunciation:**

Vocabulary:

Named	-	नामका
Invited	-	आमंत्रित
Several	-	अनेक, कई
Learned	-	विद्वान
Famous	-	प्रसिद्ध
Adults	-	वयस्क
Wit	-	चतुराई
Recorded	-	संकलित
Intersting	-	रूचिकर
Challenged	-	चुनौती
Language	-	भाषा
Superior	-	श्रेष्ठ
Failed	-	असफल
Turned	-	घूमा
Surprised	-	आश्चर्यचकित
Defeat	-	हराना
Narrated	-	कहानी कहा
Previous	-	पूर्व
Praised	-	प्रशंसित

Evaluation: Ask few short questions like -

i. What is the full name of Akbar.
ii. Nine famous learned people of Akbarôs court were calledé é .. .
iii. What was the mother tonque of the pandit ?

Recap: If incorrect reply comes, correct them immediately.

Activity:- Do exercises according to the studentsô achievement:

PRINCE	-	KING
JEWEL	-	KING
QUEEN	-	KING
EMPIRE	-	KING
ARMY	-	KING
CROWN	-	KING
JUDGEMENT	-	KING

https://www.evidyarthi.in/

COURT	-	KING
EMPEROR	-	KING
CHARRIOT	-	KING

fgUnh vuokn%

There was a Mughal Emperoré ..... his mother tongue.

भारत में अकबर नामक एक महान मुगल शासक था। उसका पूरा नाम जलालुद्दीन मोहम्मद अकबर था। यद्यपि वह अनपढ़ था, उसने अपने दरबार में कई विद्धान लोगों को रखा था। इनमें नौ बहुत प्रसिद्ध थे। वे सभी नवरत्न कहलाते थे। बीरबल उन्हीं में से एक था।

भारतीय इतिहास में बीरबल बच्चों के साथ–साथ बड़ों में बहुत लोकप्रिय हैं। वह अकबर का मंत्री था और अकबर उसकी बुद्धि और चतुराई की वजह से उसे प्यार करता था। वह कवि के साथ–साथ लेखक भी था। अकबर एवं बीरबल की कहानियाँ बहुत सारी पुस्तकों में संकलित हैं। उनमें से बहुत सी कहानियाँ भारतीय परम्परा की लोककथा के रूप में हैं। यहाँ अकबर और बीरबल की एक रोचक कहानी दी जा रही है।

एक बार अकबर के दरबार में एक पंडित आया। वह बहुत विद्वान था और कई भाषाएँ बोलता था। उसने दरबार में आकर चुनौती दी कि वह किसी भी भाषा में प्रश्न का उत्तर दे सकता है। दरबारियों ने भिन्न–भिन्न भाषाओं में प्रश्न किए और उसने उन्हीं भाषाओं में सभी का उत्तर दिया। वह इतनी भाषाओं में दक्ष था कि कोई उनकी मातृभाषा को नहीं पहचान सका।

Then he said to the kingé é é . Pandit mother tongue(page-53)

तब उसने राजा से कहा, यदि आपके दरबारी मेरी मातृभाषा का कल तक पता लगा लेंगे तब मैं उन्हें बुद्धिमान मानूँगा, नहीं तो आप मुझे सबों से श्रेष्ठ समझें।

सम्राट अकबर राजी हो गये। उसने सभी दरबारियों से पंडित की मातृभाषा को पहचानने के लिए कहा। सभी असफल हो गये। अकबर ने बीरबल से इस समस्या का हल ढूँढ़ने के लिए कहा। बीरबल ने इस चुनौती को स्वीकार किया। उस रात बीरबल पंडित के शयनकक्ष में गया, जब वह सो रहा था। बीरबल ने एक तिनके से पंडित के कान में गुदगुदी की। पंडित की नींद टूट गई, वह करवट बदलकर सो गया। बीरबल ने फिर से गुदगुदी की। फिर पंडित की नींद टूटी तो वह जागकर चिल्ला पड़ा बुरा आदमी ? (कौन है ?) बीरबल छुपा रहा। जब पंडित ने किसी को नहीं देखा तो फिर सो गया। बीरबल लौट गया। अगली सुबह, फिर दरबार लगी। पंडित ने फिर से अपना प्रश्न दुहराया कि उसकी मातृभाषा क्या है ? बीरबल ने जबाब दिया, "पंडित की मातृभाषा तेलगु है।"

The pandit was very é é .. timely wisdom.

पंडित बीरबल के सही उत्तर पर चकित हो गया और उसने अपनी हार मान ली। अकबर ने बीरबल से पूछा कि उसने उत्तर कैसे जाना। बीरबल ने कहा कि जब कोई व्यक्ति पीड़ा में होता है, तो वह अपनी मातृभाषा में ही बोलता है। तब उसने पिछली रात की सारी धटना को सुनाया। अकबर ने उसकी सामयिक चतुराई की प्रशंसा की।

https://www.evidyarthi.in/